© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS | Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 04 , Issue : 01 | January – March 2018

साहित्य में संघर्ष के विविध रूप

डा. सुदेश कुमारी,हिन्दी प्राध्यापिका

संघर्ष चेतना : परिभाषा एंव स्वरूप : संघर्ष शब्द का अँग्रेजी पर्याय है.. Struggle जिसका अर्थ है –प्राप्त करना, अधिक परिश्रम करना, छटपटाना, दलों में होने वाला विरोध आदि। हिन्दी में संघर्ष का शाब्दिक अर्थ है–द्वेष, धीरे–धीरे लुढकना, रेंगना आदि। 'हिन्दी शब्दसागर के अनुसार संघर्ष का अर्थ है–एक वस्तु के साथ रगड खाना, संघर्षण, रगड, घिस्सा।[1] दो विरोधी दलों या व्यक्तियों के स्वार्थ के कारण होने वाले विरोध या प्रतियोगिता अथवा स्पर्धा आदि को भी संघर्ष कहा जाता है। वह अहंकारसूचक वाक्य जो अपने प्रतिपक्षी के सामने स्वयं को ऊंचा अथवा बड़ा दिखाने के लिए प्रयुक्त किया जाता है, संघर्ष कहलाता है। किसी चीज को पीटने, रगड़ने या घिसने की प्रक्रिया को भी संघर्ष कहा जाता है। 'हिन्दी शब्द–सागर' में संघर्ष के लिए ईर्ष्या, डाह, कामोद्दीपन, शत्रुता, वैरभाव, धीरे–धीरे चलना, टहलना, शर्त लगाना, बाजी लगाना आदि शब्दों का प्रयोग किया गया है।

डॉ. मोहनलाल रत्नाकर ने संघर्ष को परिभाषित करते हुए लिखा है–'संघर्ष सहयोग की विरोधी प्रक्रिया है। इसमें व्यक्ति–समूह एक–दूसरे के कार्यो में बाधा डालने की कोशिश करते है।[2]

वस्तुतः संघर्ष–प्रक्रिया सार्वभौम है। मानव–समाज में व्यक्ति से लेकर परिवार और परिवार से लेकर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संघर्ष दृष्टिगत होता है। ग्रीन के शब्दों में–'संघर्ष दूसरों या दूसरों के संकल्प के विरोध, प्रतिकार या बलपूर्वक रोकने के लिए जानबूझ कर किए प्रयत्न को कहते है।'[3]

संघर्ष शब्द द्वन्द्व के अर्थ में भी प्रयुक्त होता है। दो परस्पर विरोधी वस्तुओं या भावों के झगडो को द्वन्द्व कहते है। द्वन्द्व में दो पक्ष अवश्य होते है, जिनमें आपस में विराधाभास की भावना होती है। कभी–कभी वैधानिक अथवा शान्तिपूर्वक उपायों से भी संघर्ष किया जाता है। संघर्ष का क्षेत्र मानव–मन भी हो सकता है और बाह्य जगत भी। संघर्ष में चेतन प्रक्रिया विद्यमान रहती है। प्रतिद्वन्द्वी एक–दूसरे को परास्त करने का प्रयास करते है और यही उसका वास्तविक लक्ष्य बन जाता है। संघर्ष एक वैयक्तिक प्रक्रिया भी है और सार्वभौम प्रक्रिया भी अर्थात एक अकेला मनुष्य भी कर सकता है। और संघर्ष बहुत सारे व्यक्तियों या व्यक्ति समूहों में भी हो सकता है। संघर्ष में निरन्तरता नहीं होती, यह अविराम गति से नही चलता, वरन् शक्ति का संचय करते हुए रूक–रूककर आगे बढता है। संघर्ष उस अग्नि के समान है, जो सीमित क्षेत्रों में अपनी आश्चर्यजनक शक्ति का परिचय देती हैं। संघर्ष की तुलना हम परमाणु शक्ति से भी कर सकते है।, जो वरदान भी है और अभिशाप भी। उसका उपयोग निर्माण–कार्यों में भी किया जाता है और विध्वंस कार्यों में भी। संघर्ष या द्वन्द्व मनुष्य के विकास के लिए अति आवश्यक है, क्योंकि इसमें प्रतियोगिता या स्पर्धा का भाव प्रधान रहता है। विभिन्न विद्ववानों ने इसकी अवधारणाएँ इस प्रकार प्रस्तुत की है।

वृहत हिन्दी कोश के अनुसार–'द्वन्द्व का अर्थ है–युग्म–जोड़ा, दो व्यक्तियों का परस्पर युद्ध, कलह, संघर्ष, झगडा, स्त्री–पुरूष, नर–मादा का जोड़ा, दो परस्पर विरूद्ध वस्तुओं या भावों का जोड़ा–जैसे शोक–मोह–शीत–उष्ण आदि सन्देह–अनिश्चय, रहस्य आदि।'[4]

'अपूर्ण इच्छाओं, अभिलाषाओं की पूर्ति के मध्य और प्रतिद्वन्द्विता की दुखपूर्ण और अप्रिय अवस्था को द्वन्द्व कहा गया है।[5]

दर्शनशास्त्र के एक शब्दकोश के अनुसार–'आन्तरिक इच्छाओं, अभिलाषाओं व उपलब्धियों की प्रतिकूलता में संवेगात्मक तनाव से उत्पन्न विरोधी स्थिति द्वन्द्वमयी स्थिति होती है।'[6]

'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ सोशल सांइसेज' में द्वन्द्व का अर्थ चेतन प्रतियोगिता है और इसमें प्रतियोगी आत्मचेतना से प्रतिद्वन्द्वी, विरोधी या शत्रु बन जाते है।'[7]

समाजविज्ञान के शब्दा कोश के अनुसार संघर्ष को इस तरह पारिभाषित कर सकते है–संघर्ष वह है जो मूल्यों और अधिकारों को निष्प्रभावित करता है, शक्ति और स्त्रोतों का संघर्ष जिसमें कोई अपने प्रतिद्वन्द्वी को निष्प्रभावित करते है, उसे हानि पहुंचाते है या शत्रुओं/प्रतिद्वन्द्वियों को खत्म कर देते है।[8]

जब वृहद् परस्पर विपरीत नैतिक माँगें एक साथ प्रस्तुत होकर व्यक्ति से अनुपालन की अपेक्षा करती हैं, तब नैतिक द्वन्द्व की स्थिति उत्पन्न होती है।[9]

उपर्युक्त परिभाषाओं से स्पष्ट हो जाता है कि संघर्ष के पर्यायवाची शब्द है– द्वन्द्व, कलह, झगड़ा, संकल्प–विकल्प, असमंजस, दुविधा, पीड़ा, निराशा, संत्रास, तनाव, विरोधासभास, छटपटाहट और छअपटाहट या द्वन्द्व मनुष्य को विरासत में मिलता है। व्यक्ति का मानस–पटल ही द्वन्द्व या संघर्ष का उद्गमस्त्रोत है। मानव–तन में अनेक इच्छाएं, अभिलाषाएं, विचार और भाव एक साथ